VISION IAS

www.visionias.in

09 NOV 2016
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 747)

Name of Candidate	KANCHAN KUMAR KANDPAL		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	26216
Center	MN	Date	9/11/2016

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in HINDI and ENGLISH.
   इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   पत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions is not more than 150 words each.

1. (a) A broad ethical framework as a guiding light for international relations will not only ensure harmonious relations between nations but will also lead to progress of the human race. Discuss with examples. 10

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए प्रकाश स्तंभ के रूप में एक व्यापक नैतिक ढांचा न केवल राष्ट्रों के बीच सामंजस्य पूर्ण संबंध सुनिश्चित करेगा बल्कि मानव जाति का विकास भी सुनिश्चित करेगा। सोदाहरण चर्चा कीजिए।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए आदर्श नैतिक ढाँचा विश्व शांति एवं समग्र विकास के आदर्शों को प्राप्त करने की दिशा में प्रभावी कदम साबित होगा।

वस्तुतः अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शरणार्थी समस्या से लेकर, सामरिक वर्चस्व की इच्छा; भुखमरी- अकाल आदि की स्थिति में वैश्विक मदद का अभाव, के मूल में जाकर देखें, तो अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के परिपेक्ष में नैतिक ढाँचे का अभाव ही दृष्टिगत होता है। संकुचित राष्ट्रवाद की अवधारण व्यापक स्तर पर न केवल सामंजस्य स्थापना की अवरोधक बनती है, बल्कि मानव जाति के विकास के लिए, संसाधनों को विनाशात्मक दिशा की तरफ मोड़ती है।

पिछले दशक में इराक में अमेरिकी सैन्य कार्यवाही, क्रीमिया मुद्दे पर रूस

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का आक्रामक रुख, स्वयं राष्ट्रों द्वारा आतंकियों का पोषण उपर्युक्त सिद्धांत की स्पष्ट व्याख्या कर देते हैं।

यद्यपि संयुक्त राष्ट्र संघ, शांति सेना, गुटनिरपेक्षता जैसे लम्बे समय से चले आ रहे प्रयत्न हों या हालिया नाभिकीय सुरक्षा सहयोग जैसी प्रक्रियाएँ ये सभी कमोबेश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसी नैतिक ढाँचे के निर्माण को दर्शाते हैं, जिसका अपेक्षा मानव जाति को है, किंतु दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव व प्रभुत्व स्थापना की इच्छा की प्रबलता के कारण ये प्रयास सीमित स्तर पर ही सफल हो पाए हैं।

अतः अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को समावेशी व भेदभावरहित विचारधारा के आधार पर ऐसे नैतिक ढाँचे के निर्माण को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिसका अंतिम लक्ष्य सामंजस्य स्थापना के साथ मानवजाति का समग्र विकास हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) What does inequality mean to you? What are the different kinds of inequality? Is inequality morally wrong? 10

असमानता से आप क्या समझते हैं? असमानता के विभिन्न प्रकार क्या हैं? क्या असमानता नैतिक रूप से गलत है?

वह स्थिति जहाँ पर दो समान व्यक्तियों (प्राकृतिक रूप से) में अवसरों के अभाव, समुचित संसाधनों की कमी या पंरपरागत सोच के कारण विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, मानसिक मानकों के स्तर पर अंतराल पैदा हो जाए, असमानता कहलाती है,

असमानताओं के निम्नवत वर्गीकृत किया जा सकता है:

1). आर्थिक असमानता - जहाँ पर धन के संकेंद्रण को मानक माना जाए,

2). सामाजिक असमानता - अस्पृश्यता, रंगभेद, नस्लभेद आदि इसके ही प्रतिरूप हैं।

3). राजनीतिक असमानता - प्रतिनिधित्व करने के लिए अवसरों की कमी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

५). लैंगिक असमानता – Heteronormativity की अवधारणा के आधार पर सभी को मूलतः मानव मानने के बजाय, स्त्री-पुरुष के रूप में देखकर किसी एक लिंग (मुख्यतः व अनिवार्य रूप से स्त्री) के प्रति भेदभाव,

असमानता का नैतिक स्तर पर मूल्यांकन

जो भी व्यवस्था कृत्रिमतः निर्मित कर किसी वर्ग विशेष को अवैध लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से निर्मित की गई हो, अनैतिक सिद्ध होती है, असमानता, मानव जीवन में वर्ग विशेष के लिए अवसरों में कमी लाती है, मानव मात्र के समग्र विकास की अवधारणा को क्षीण करती है, अतः नैतिक रूप से असमानता अनुचित है,

किंतु ऐसी असमानता को दूर करने के लिए यदि विधिक आधार पर, चिंहित व युक्तियुक्त प्रावधान किये गए हों, जो दमित वर्ग का उत्थान करें, तो ऐसी असमानता अनुचित नहीं है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) One has a moral responsibility to disobey unjust laws. In light of this statement, examine the relevance of civil disobedience in a modern democratic society. Discuss the duties and responsibilities of a law enforcing officer in such situations. 10

अन्यायपूर्ण कानूनों की अवज्ञा करना हमारा नैतिक दायित्व है। इस कथन के प्रकाश में, आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में सविनय अवज्ञा की प्रासंगिकता का परिक्षण कीजिए। ऐसी परिस्थितियों में एक कानून प्रवर्तन अधिकारी के कर्तव्यों तथा दायित्वों की चर्चा कीजिए।

किसी भी लोकतांत्रिक व आधुनिक व्यवस्था का मूल तत्व ही उसमें उपस्थित परिवर्तन की संभावना तथा विरोध का अधिकार होता है, अतः यदि कोई कानून, आधुनिक व जनाहितकारी आकांक्षाओं के प्रतिकूल हो तथा तर्कहीन हो, तो ऐसे कानून की अवज्ञा न केवल लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित है, बल्कि आमजनमानस का नैतिक दायित्व भी है,

वर्तमान स्थिति में जहाँ हर नागरिक सूचना सम्पन्न है, तथा सामाजिक हित की अवधारणा से परिचित व जागरूक है, ऐसे में

(i) नागरिक स्वतंत्रता का हनन करने वाले,
(ii) संवेदनशील वर्ग के प्रति द्वेत भाव रखने वाले
(iii) मानवीय विकास में बाधा बनने वाले

कानूनों की अवज्ञा करना और भी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिक प्रासंगिक व एक नैतिक दायित्व बन जाता है।

उदाहरण के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को, सार्वजनिक आवाजाही को बाधित करने के विरुद्ध जिस अवज्ञा का प्रदर्शन महाराष्ट्र में किया गया था, श्रेया सिंह मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भी उसे वैध करार दिया था।

कानून प्रवर्तन अधिकारी के दायित्व एवं कर्तव्य -

1). कानून की बारीकी व विभिन्न पक्षों से आम नागरिक को अवगत कराना।

2). व्यक्तिगत / आधिकारिक रूप से कानून प्रवर्तन के कारण आ रही समस्याओं को जानना, विभागीय स्तर पर सूचित करना।

3). जब तक कानून में वांछित परिवर्तन नहीं हो जाते, तब तक जनमंचों, सोशल मीडिया के माध्यम से जनता की राय लेकर व उन्हें पर्याप्त सम्मान देकर व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Ensuring accountability in the administration just adds another layer in the bureaucratic process. Examine. Differentiate between accountability and responsibility. Suggest some measures through which administrative accountability can be made more effective in India. 10

प्रशासन में जवाबदेही (Accountability) सुनिश्चित करना नौकरशाही प्रक्रिया में एक और स्तर जोड़ देता है। परीक्षण कीजिए। जवाबदेही और उत्तरदायित्व (Responsibility) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। कुछ ऐसे उपाय बताइए जिससे भारत में प्रशासनिक जवाबदेही को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग सहित सभी समितियों ने प्रशासन में जवाबदेहिता को अतिमहत्वपूर्ण घोषित करते हुए उसे व्यवस्था का अनिवार्य अंग माना है।

प्रशासन में जवाबदेहिता ने केवल जनता व नौकरशाहों के मध्य क्षैतिज (बाह्य) स्तर पर बल्कि प्रशासन के आंतरिक ढाँचे में ऊर्ध्वाधर स्तर पर स्थापित होनी चाहिए, जवाबदेहिता का यह स्तर, प्रशासन को अधिक सक्रिय, पारदर्शी व प्रभावी बनाता है।

जवाबदेहिता व उत्तरदायित्व—

- जवाबदेहिता किसी कार्य की सफलता, असफलता, प्रक्रियागत स्थिति के संदर्भ में संबंधित व्यक्ति के मूल्यांकन का आधार है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• जबकि उत्तरदायित्व किसी व्यक्ति / संस्था पर कार्य संपादन के परिणाम का नैतिक दायित्व आरोपित करता है।

• जवाबदेहिता मुख्यतः वैयक्तिक स्तर पर होती है, जबकि उत्तरदायित्व को सामूहिक स्तर पर स्वीकार किया जाता है।

प्रशासनिक जवाबदेहिता को प्रभावी बनाने के लिए सुझाव –

1). प्रशासकों की चयन प्रक्रिया, ट्रेनिंग, कार्यावधि में जवाबदेहिता के गुण की जाँच व विकास को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

2). प्रशासनिक कार्यों को तकनीक आधारित बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

3). आंतरिक जवाबदेहिता सुनिश्चित करने वाली कार्यसंस्कृति के विकास की तरफ उन्मुख होना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) "Morality is based neither on the principle of utility, nor on a law of nature, but on human reason. But human reason can be fallible." Comment., What does morality mean to you? 10

"नैतिकता न तो उपयोगिता (utility) के सिद्धांत पर आधारित है और न ही प्रकृति के नियम पर, बल्कि यह मानवीय विवेक पर आधारित है। किंतु मानवीय विवेक दोषपूर्ण हो सकते हैं।" टिप्पणी कीजिए। आपके लिए नैतिकता का क्या अर्थ है?

उपयोगिता का सिद्धांत अनिवार्य तौर पर अधिकतम लाभ को ही अंतिम साध्य की मान्यता देता है, साधन की पवित्रता के लिए वहाँ विशिष्ट स्थान नहीं है। न ही प्रकृति के नियमों में उचित, अनुचित, परिस्थिगत आवश्यकता के आकलन के आधार मिलते हैं। डार्विन जैसे विकासवादियों के दृष्टिकोण में तो प्रकृति का सिर्फ एक ही नियम है – सर्वश्रेष्ठ की उत्तरजीविता।

स्पष्टतः नैतिकता के गुण की सोच इन सिद्धांतों में नहीं की जा सकती है। वस्तुतः नैतिकता की कोई भी बद्ध परिभाषा नहीं हो सकती है। जिस प्रकार मनुष्य को ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति बताया जाता है, तो उसी मनुष्य का विवेक ही वास्तव में नैतिकता की परिभाषा तय करता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानवीय विवेक स्थिति, काल व अपनी विशिष्टता के आधार पर ही उचित, अनुचित नैतिक - अनैतिक की संकल्पनाओं को निर्धारित करता है, व यही नैतिकता का पैमाना बन जाती है।

मानवीय विवेक व्यक्तिगत सोच के आधार पर एकदम उचित होने के बावजूद भी सामाजिक हित की दृष्टि से दोषपूर्ण व यहाँ तक की बर्बर व अनैतिक भी हो सकता है। (जैसे- किसी धर्मांध आतंकी का अपने कट्टर धार्मिक मान्यताओं को सामाजिक हित के प्रतिकूल होने के बावजूद भी नैतिक मानना,) अतः स्पष्ट है कि नैतिकता विवेक के आधार पर विचारित होने वाली अवधारणा है।

मेरे लिए नैतिकता का तात्पर्य उन सिद्धांतों का समुच्चय है, जो पूर्ण आत्मिक संतोष देने के साथ अधिकाधिक आधार पर सामाजिक हित में हो। सामाजिक अहित का कोई भी पक्ष उसमें वर्जित हो, तथा ये सिद्धांत इतनी लोचशीलता रखें कि परिस्थिति के अनुसार अनुकूलन कर सकें।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) For effective public service delivery, the need today is to move from traditional accountability mechanisms to social accountability through greater civic engagement. Discuss with examples. 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण हेतु, जवाबदेहिता (Accountability) की पारंपरिक प्रणाली के स्थान पर अधिकाधिक नागरिक भागीदारी के माध्यम से सामाजिक जवाबदेही प्रणाली की ओर अग्रसर होना वर्तमान समय की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

जागरूक होते नागरिक समाज, जन सामान्य की सेवागुणवत्ता के प्रति बढ़ती रुचि व समझ तथा प्रशासन व जनसामान्य के मध्य घटते अंतराल के बीच यह आवश्यक है कि जवाबदेहिता की परंपरागत प्रणाली में भी परिवर्तन हो।

वस्तुतः परंपरागत जवाबदेही तंत्र केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित रहने के अलावा इसे रक्षात्मक रूप से अधिकारी वर्ग के विवेक पर आश्रित बना देता है, जहाँ जनसहभागिता शून्य होने के साथ-साथ, जवाबदेहिता प्रभावहीन भी हो जाती है।

अतः आवश्यकता है कि सार्वजनिक सेवा वितरण की समस्त प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सामाजिक जवाबदेही प्रणाली की ओर अग्रसर हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सार्वजनिक जवाबदेही प्रणाली के अंतर्गत प्रशासन को अपनी समस्त प्रक्रियाओं, निर्णयों व परिणामों के प्रति समाज के समक्ष जवाबदेह होना पड़ता है। तंत्र में पारदर्शिता इसका प्रभावी माध्यम होता है। कुछ राज्यों ने (छत्तीसगढ़ आदि) तकनीक आदि के कुशल प्रयोग के द्वारा सार्वजनिक जवाबदेहिता की स्थिति में सकारात्मक कदम उठाया है। स्पेन का 'उत्तम सेवा नियम' या सिंगापुर के प्रशासन मॉडल सार्वजनिक जवाबदेहिता की प्रभावकारिता को स्पष्ट रूप से सिद्ध करती है।

सार्वजनिक जवाबदेहिता जहाँ एक ओर भ्रष्टाचार की सम्भावना को न्यूनतम करती है, वहीं कार्यकुशलता में वृद्धि व प्रक्रियागत तेजी जैसे सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) What do you mean by social justice? Explain with examples, why it is imperative for a society to promote social justice. 10

सामाजिक न्याय से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए कि सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करना किसी समाज के लिए क्यों अनिवार्य है?

किसी सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक व्यवस्था की वह स्थिति जहाँ वंचित से वंचित वर्ग, संवेदनशील समुदायों व परंपरागत रूप से शोषित वर्गों को भी उन्नति, अधिकार, समता व सम्मान के समान अवसर मिलें, सामाजिक न्याय की स्थिति कहलाती है।

भारतीय समाज की बनावट पर नजर डालें तो जहाँ एक ओर दलित, पिछड़े वर्ग परंपरागत रूप से शोषण के शिकार बने हैं, तो वहीं सामाजिक असंवेदनशीलता के कारण ट्रांसजेंडर समुदाय, अनाथ बच्चे, निःशक्त जन, वृद्ध आदि अपने अधिकारों को पाने से वंचित हो जाते हैं। यदि संवैधानिक प्रावधानों के उचित क्रियान्वयन, विधिक व्यवस्था के अधिकार आधारित

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दृष्टिकोण को अपनाने तथा सामाजिक संवेदनशीलता के विकास द्वारा इन वंचित वर्गों को सामाजिक सम्मान व राजनीतिक-सामाजिक सहभागिता का अवसर मिलता है, तो इसे ही सामाजिक न्याय की श्रेणी में रखा जाए।

सामाजिक न्याय का प्रोत्साहन आवश्यक क्यों?

1). प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत,
2). इन वर्गों में अधिकार आधारित दृष्टिकोण का विकास,
3). इन वर्गों की प्रतिभाओं का कुशल प्रयोग संभव बनाना,
4). आधुनिकता के प्रतिमानों के अनुरूप कल्याणकारी व सहभागी लोकतंत्र के निर्माण हेतु।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Investigative reporting by media can be a significant source of information on corruption. What are ethical issues involved in investigative journalism? What safeguards can be introduced to prevent its misuse? 10
मीडिया द्वारा खोजी (इनवेस्टिगेटिव) रिपोर्टिंग भ्रष्टाचार संबंधी सूचना का महत्वपूर्ण स्रोत हो सकती है। खोजी पत्रकारिता से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं? इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए कौन से सुरक्षा उपाय आरंभ किए जा सकते हैं?

खोजी पत्रकारिता, वर्तमान समय में मीडिया से जुड़ा हुआ एक महत्वपूर्ण आयाम है, इसके अंतर्गत मीडियाकर्मी व्यक्तिगत स्तर पर छानबीन व पूछताछ तथा गुप्त सूचनाओं व सबूतों के प्रयोग द्वारा किसी आपराधिक कृत्य की छानबीन करता है।

चूँकि भ्रष्टाचार से संबंधित अपराधी वर्ग को रंगेहाथ गिरफ्तार करना ही उनके विरुद्ध एकमात्र सबूत का काम करता है, अतः प्रभावी स्टिंग ऑपरेशन, आदि के द्वारा खोजी पत्रकारिता भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रभावी माध्यम बनती है। हालिया समय में हुए पनामा पेपर्स लीक हो या विकीलीक्स अथवा भारत में संपादित ऑपरेशन चक्रव्यूह या तहलका, ये सभी खोजी पत्रकारिता के बल को उजागर करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किंतु निजता का उल्लंघन, येलो जर्नलिज्म की बढ़ती घटनाएँ, अपराध को प्रेरित करने वाले कारक स्वयं ही बन जाना, राजनीतिक दुरुपयोग, ब्लैकमेलिंग आदि इससे जुड़े नैतिक मुद्दे हैं, जो इनकी निष्पक्षता व व्यवहार्यता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

वांछित सुरक्षोपाय -

1). राजनीतिक दुरुपयोग को प्रतिबंधित किया जाए।

2). जब तक सत्यता प्रमाणित (न्यायिक जाँच द्वारा) न हो, तब तक न तो मीडिया ट्रायल अनुमेय हो न ही प्रसारण।

3). पत्रकारिता के पाठ्यक्रम में इसकी नैतिक संहिता का निर्माण कर उससे अध्ययन का विषय बनाया जाए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) While transplantation of organs represents one of the most spectacular achievements of modern medical science, it has raised many ethical issues as well. Discuss. Also, examine the issues related to organ transplantation in India. 10

यद्यपि अंग प्रत्यारोपण आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की सर्वाधिक प्रभावशाली उपलब्धियों में से एक का प्रतिनिधित्व करती है, तथापि इसने कई नैतिक मुद्दे भी खड़े किए हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, भारत में अंग प्रत्यारोपण से जुड़े मुद्दों का भी परीक्षण कीजिए।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की उन्नति की परिचायक अंग-प्रत्यारोपण तकनीक जहाँ एक ओर मानव जीवन की नई सम्भावनाओं को तलाशती है, वहीं इसके साथ कई नैतिक मुद्दे भी जुड़ जाते हैं-

1). अंग-व्यापार के गैर कानूनी व्यापारों का विकसित हो जाना,

2). अंग-तस्करी जैसे गतिविधियों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हो जाना,

3). तकनीक के लागत प्रभावी होने के कारण अमीर वर्ग के पास अधिक अवसर,

4). आर्थिक रूप से विपन्न व्यक्ति को धन के प्रलोभन द्वारा अंग विक्रय के लिए विवश करना,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त नैतिक मुद्दों पर प्रभावकारी दिशानिर्देशों के अभाव के कारण इस चिकित्सकीय विधि का लाभ आम जनमानष को सुलभ नहीं हो पाया है।

भारत में अंग प्रत्योरोपण –

(i) गरीब जनसंख्या की प्रचुरता, उनके अंग विक्रय की संभावनाओं को जन्म देती है।

(ii) ICMR व MCI का अंग-प्रत्यारोपण चिकित्सा पर प्रभावी गाइडलाइन का अभाव।

(iii) नेपाल, बांग्लादेश जैसे सीमावर्ती देशों के माध्यम से भारत भी अंग तस्करी का माध्यम बन गया है।

(iv) चिकित्सकीय रूप से लागत प्रभावी होने के कारण यह तकनीक आर्थिक रूप से सामान्य वर्ग को अप्राप्य।

(v) स्पष्टतः एक रेगुलेटरी अथॉरिटी की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** There can be honesty without integrity, but no integrity without honesty. Do you agree? Justify your stand with examples. 10

सत्यनिष्ठा के बिना ईमानदारी संभव है, किंतु ईमानदारी के बिना सत्यनिष्ठा संभव नहीं है। क्या आप इससे सहमत हैं? उदाहरण सहित अपने मत का औचित्य सिद्ध कीजिए।

सत्यनिष्ठा से तात्पर्य किसी पदासीन व्यक्ति द्वारा विभिन्न मूल्यों के मध्य सामंजस्य द्वारा पदानुकूल सर्वाधिक अनुकूल आचरण से है, जबकि ईमानदारी ऐसा व्यक्तिगत गुण है, जो व्यक्ति को अनुचित (भ्रष्टाचार, व्यक्तिनिष्ठता आदि) गतिविधियों में शामिल होने से रोकता है।

यह तथ्य उचित है कि सत्यनिष्ठा के बिना भी ईमानदारी का अस्तित्व बना रह सकता है। जैसे - यदि कोई व्यक्ति किसी ऐसे कार्यालय में कार्य करता हो जहाँ अपने सहकर्मियों से उसके मतभेद सीमा से अधिक हों, ऐसे में वह पूर्ण सत्यनिष्ठता के साथ कार्य नहीं करेगा, किंतु नैतिक मूल्य के रूप में यदि ईमानदारी उसका प्रमुख गुण होगी, तो इस बात की पर्याप्त संभावना है कि सत्यनिष्ठा के बिना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी वह ईमानदार रहेगा

किंतु ईमानदारी के गुण के अभाव में सत्यनिष्ठा का कायम रहना असंभव स्थिति है, क्योंकि यदि व्यक्ति अपने कर्तव्यों, मूल्यों व कार्यात्मक संबंधों के प्रति ईमानदार न हो या भ्रष्टाचार के कार्यों में संलग्न हो, तो निश्चित रूप से वह पक्षपातपूर्ण कार्यों की ओर प्रेरित होगा, जिसमें उसकी सत्यनिष्ठा का स्पष्ट अभाव दिखता है।

स्पष्टतः सत्यनिष्ठा के बिना ईमानदारी संभव है किंतु ईमानदारी के बिना सत्यनिष्ठा नहीं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. "It is not always the same thing to be a good person and a good citizen." Explain the meaning of this statement and analyse its implications for a democratic society. 10

"अच्छा व्यक्ति होना और अच्छा नागरिक होना हमेशा समान बात नहीं होती है।" इस कथन के अर्थ की व्याख्या कीजिए और लोकतांत्रिक समाज के लिए इसके निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Value of compassion towards the weak extends the limits of operations of a public servant by introducing flexibility but dilutes the principle of objectivity. Discuss. If a conflict arises between the value of compassion and principle of objectivity, how will you deal with it as a public servant? 10

कमजोर के प्रति करुणा की भावना रखने की महत्ता किसी लोकसेवक के कार्यक्षेत्र की सीमाओं में लोचशीलता लाकर उसे विस्तारित करती है, किंतु वस्तुनिष्ठता के सिद्धांत को निर्बल करती है। चर्चा कीजिए। यदि करुणा की महत्ता और वस्तुनिष्ठता के सिद्धांत के बीच संघर्ष पैदा होता है, तो एक लोक सेवक के रूप में आप इस परिस्थिति से किस प्रकार निपटेंगे?

किसी लोकसेवा के अनिवार्य गुणों का एक प्रमुख तत्व निर्णय प्रक्रिया में वस्तुनिष्ठता को महत्व / अनिवार्य मानक मानना है, यह निर्णयप्रक्रिया को पक्षपातरहित व तर्कपूर्ण बनाता है,

किंतु किसी कमजोर व्यक्ति के प्रति करुणा का भाव, मानवीय स्वभाव के अनुरूप मानकों की ढिलाई बरतकर लोकसेवक को वस्तुनिष्ठता से व्यक्ति-निष्ठता की ओर प्रवृत्त करता है,

करुणा मानव स्वभाव का एक अनिवार्य लक्षण है, जिससे शतप्रतिशत छुटकारा पाना लगभग असंभव है, करुणा की थकान (compassion fatigue) यद्यपि लोकसेवक को करुणा की अपेक्षा वस्तुनिष्ठता के लिए प्रेरित करती है, किंतु इसे करुणा-शून्यता नहीं माना जा सकता,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यदि लोकसेवक के रूप में मेरे समक्ष करुणा व वस्तुनिष्ठता में संघर्ष होगा, तो मैं निम्न बिंदुओं के तहत परिस्थिति का आंकलन करूँगा-

1). क्या करुणा ने अति भावुकता की स्थिति से तो जन्म नहीं लिया है?

2). क्या वस्तुनिष्ठता जड़ सिद्धांतों पर आश्रित होने के कारण अावश्यकता रहती है?

3). क्या वस्तुनिष्ठता को कायम रखते हुए, अन्य माध्यमों की सहायता से करुणा का उपचार (व्यक्ति की सहायता) किया जा सकता है?

उपर्युक्त बिंदुओं पर पर्याप्त विमर्श कर ही मैं अपना निर्णय लूँगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Which administrator had a lasting impact on your decision to join the civil services and why? Should administrators have increased media presence so that the common man can know more about their efforts and achievements? Justify your stand. 10

किस प्रशासक ने लोक सेवाओं में सम्मिलित होने के आपके निर्णय पर अमिट छाप छोड़ी और क्यों? क्या प्रशासक को मीडिया की उपस्थिति को बढ़ाना चाहिए जिससे सामान्य जनता उनके प्रयासों और उपलब्धियों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सके? अपने मत का औचित्य सिद्ध कीजिए।

किसी लक्ष्य की प्राप्ति में परिशिंशटेंस की निरंतरता के बने रहने के लिए आवश्यक है कि कोई उस क्षेत्र का आदर्श व्यक्तित्व • आंतरिक प्रेरणा बने।

लोकसेवाओं में सम्मिलित होने के मेरे निर्णय पर प्रमुख प्रभाव के रूप में मैं अमिताभ कांत (सीईओ नीति आयोग) को देखता हूँ, जिन कारणों से वो मेरे प्रेरणा का आधार बने, उसमें

1). मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रम की बागडोर कुशलतापूर्वक संभालना,
2). नीति आयोग के प्रतिनिधित्व द्वारा देश को नई दिशा देना,
3). स्टार्ट-अप के लिए युवाओं को प्रेरित करना; शामिल है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यद्यपि अशोक के धम्म से लेकर तमाम अयोग (समकालीन) प्रशासक की अनामिता के सिद्धांत को वरीयता देते हैं, किंतु मेरी व्यक्तिगत राय में प्रशासक का स्वयं का व्यक्तित्व यदि उसके कार्यों के रूप में समाज के समक्ष विभिन्न माध्यमों से आए, तो यह

(i) जनसमुदाय का प्रशासन की क्रियाशीलता पर भरोसा बढ़ाता है,

(ii) अनेक व्यक्ति प्रेरित होते हैं,

(iii) सामाजिक लेखांकन की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है,

(iv) प्रशासन व जनजन के बीच दूरी कम होती है।

वर्तमान सरकार भी इसी दिशा में कार्य करते हुए तमाम अधिकारियों को ट्विटर, फेसबुक जैसे नवीन मीडिया द्वारा जनता से जुड़े रहने का दिशानिर्देश दे चुकी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are a Secretary in a government department. Your Minister has proposed an unemployment grant, which is expected to cost the public exchequer heavily. Having already taken the decision, he asks you to come up with research to support the scheme. Despite your best efforts, you fail to find socio-economic benefit in it. You approach the Minister with relevant facts and studies and ask him to reconsider his decision. Instead, he asks you to suppress the negative impacts and actively promote the scheme through mass media as the percieved social impacts are more important than economic impacts.

Elections are due in a short time and the political party currently in power is expected to win. You are also due for promotion at the same time. You are expected to fully cooperate in the situation and make the scheme a success, however flawed its foundations may be.

(a) List the different stakeholders in the above situation and mention their prospective interests.

(b) Discuss the ethical dilemma which you face in this situation.

(c) Some of the alternatives for you to handle the situation could be:

- Do as asked by the Minister..
- Insist on publication of results and let the public decide whether it wants the scheme.
- Call a press conference and brief the media about the results and the callous attitude of the Minister.

Suggest any other possible option(s). Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving reasons for it. 20

आप एक सरकारी विभाग में सचिव हैं। आपके मंत्री ने बेरोजगारी भत्ता का प्रस्ताव स्वीकृत किया है, जिससे सरकारी खजाने पर अत्याधिक बोझ पड़ने की संभावना है। चूँकि उन्होंने पहले से ही इस पर निर्णय ले लिया है, अतः वे इस योजना के समर्थन में आपसे शोध करके आने को कहते हैं। आपके द्वारा सर्वोत्तम प्रयास किए जाने के बावजूद भी, आपको इसमें कोई सामाजिक-आर्थिक लाभ दिखाई नहीं पड़ रहा है। आप संबंधित तथ्यों और अध्ययनों के साथ मंत्री के पास जाते हैं और उनसे अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हैं। चूँकि इस योजना के कथित सामाजिक प्रभाव, आर्थिक प्रभाव की अपेक्षा अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, अतः अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने की अपेक्षा वे आपसे इसके नकारात्मक प्रभाव को छिपाने और इस योजना को जनसंचार माध्यम की सहायता से सक्रिय रूप से प्रचारित करने को कहते हैं।

कुछ ही समय बाद चुनाव होने वाले हैं और वर्तमान सत्तारूढ़ दल के जीतने की संभावना है। इसी समय आपकी प्रोन्नति भी होनी है। आपसे इस स्थिति में पूर्ण रूप से सहयोग करने तथा इस योजना को सफल बनाने की अपेक्षा है, भले ही इसके आधार त्रुटिपूर्ण हों।

(a) उपर्युक्त परिस्थिति में विभिन्न हितधारकों की सूची प्रदान कीजिए और उनके संभावित हितों का उल्लेख कीजिए।

(b) इस परिस्थिति में आपके समक्ष उत्पन्न नैतिक दुविधा की चर्चा कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) इस परिस्थिति से निपटने के लिए आपके पास कुछ विकल्प हो सकते हैं:

- जैसा मंत्री ने कहा है वैसा कीजिए..।
- परिणामों को प्रकाशित करने का आग्रह कीजिए और जनता को निर्णय करने दीजिए कि क्या वह इस योजना को चाहती है या नहीं?
- एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कीजिए और इस योजना के परिणामों तथा मंत्री के संवेदनहीन रवैये के बारे में मीडिया को संक्षिप्त वृतांत दीजिए।

कोई अन्य संभव विकल्प सुझाइए। उन सभी का मूल्यांकन कीजिए और अपने कारण बताते हुए उनमें से सबसे अच्छे विकल्प को सुझाव दीजिए।

a). उपर्युक्त परिस्थिति में निम्न हितधारक हैं- (1). बेरोजगार - जिन्हें योजना द्वारा भत्ते का लाभ मिलेगा।
(2) मंत्री - आगामी चुनाव में लोकलुभावन योजना उन्हें लाभ प्रदान करेगी।
(3) सचिव (मैं) - पदोन्नति का अवसर। योजना की अप्रभावशीलता को उजागर कर प्रशासक का वास्तविक कर्तव्य निभाने का आत्मिक संतोष।

(b) नैतिक दुविधा - जहाँ एक ओर सत्ताधारी दल के अनुरूप कार्य व्यक्तिगत लाभ पहुँचाएगा, वहीं पदोन्नति का अवसर भी मिलेगा, किंतु प्रशासकीय कार्यकुशलता के वास्तविक निष्पादन अर्थात् योजना की

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अप्रभावशीलता को उजागर कर मुझे आत्मिक संतोष (नैतिक कर्तव्य की पूर्ति का) मिलेगा।

(c) दिए गए विकल्पों में से,

पहला विकल्प, प्रशासक के दायित्वों के प्रतिकूल होने के साथ-साथ मुझे योजना क्रियान्वयन के समय संज्ञानात्मक (Cognitive Dissonance) की स्थिति में डाल देगा, जो प्रत्येक दृष्टि से गलत कदम होगा।

तीसरा विकल्प प्रशासक की प्रतिबद्धताओं व नैतिक आचरण के प्रतिकूल होने के कारण पूर्णतया अनुचित है।

दूसरा विकल्प इस स्थिति में बेहतर साबित हो सकता है, क्योंकि

(i) यह प्रशासकीय प्रतिबद्धताओं व व्यक्तिगत मान्यताओं में संतुलन साधता है।

(ii) यह योजना के सामाजिक पूर्व मूल्यांकन की आधुनिक धारणा के अनुरूप भी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) जनता की सहभागिता में वृद्धि नीति के लिए भी लाभकारी कदम साबित होगा।

इसके अलावा एक प्रभावी विकल्प योजना के नकारात्मक पक्षों का विकल्प (Remedy) नीति के समक्ष प्रस्तुत करना हो सकता है, जो कि योजना को सामाजिक-आर्थिक रूप से लाभकारी बनाने के साथ-साथ सामाजिक स्वीकार्यता को भी बढ़ाएगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. The International Money Bank has granted loan to the government to construct ten dams. The dams would provide water for irrigation of crops, control floods in some parts of your district, and supply drinking water to numerous towns and cities. Seven of these dams are to be constructed in areas of high ecological value occupied by native groups who are challenging the government. The native groups, who oppose the construction of the dams, represent a minority compared to the multiple towns and cities which would benefit from the dams.

Nevertheless, it should be taken under consideration that the natives consider the forests as their own. Also, their distinctive life style and culture is intimately related to the existence of these natural areas. It has been noted that the forests also have a very high ecological value. If this project is completed, their land would submerge and the natives would have to be relocated. The International Money Bank is aware of this yet it has granted the loan.

You are the District Magistrate of this district. Every day protests and demonstrations are happening in your office. The government has given you the responsibility to manage the situation.

What are the various options available to you. Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving reasons for it. 20

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बैंक ने दस बांधों का निर्माण करने के लिए सरकार को ऋण की स्वीकृति प्रदान की है। ये बांध फसलों की सिंचाई, आपके जिले के कुछ भागों में बाढ़ को नियंत्रित करने तथा अनेक कस्बों और शहरों में पेयजल आपूर्ति के लिए जल प्रदान करेंगे। इनमें से सात बांध, स्थानीय आदिवासी समूहों, जोकिसरकार के इस निर्णय का विरोध कर रहे हैं, के नियंत्रण वाले ऐसे क्षेत्रों में निर्मित किये जाने हैं जो उच्च पारिस्थितिक महत्व के हैं। बांधों के निर्माण का विरोध कर रहे आदिवासी समूह, बांधों से लाभांवित होने वाले अनेक कस्बों और शहरों के जनसंख्या की तुलना में अल्पसंख्यक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।

फिर भी, यह अवश्य ध्यान रखा जाना चाहिए आदिवासी वनों को अपना समझते हैं। इसके अतिरिक्त, उनकी विशिष्ट जीवन शैली और संस्कृति इन प्राकृतिक क्षेत्रों के अस्तित्व से घनिष्टता से जुड़ी हुई है। पुनः ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि वनों की अत्यधिक उच्च पारिस्थितिक महत्ता भी है। यदि यह परियोजना पूरी हो जाती है तो उनकी भूमि जलमग्न हो जाएगी और आदिवासियों को अन्यत्र स्थानांतरित करना पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बैंक इस तथ्य से अवगत है किन्तु फिर भी इसने ऋण स्वीकृत कर दिया है।

आप इस जिले के जिलाधिकारी हैं। आपके कार्यालय में प्रतिदिन विरोध और प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकार ने आपको स्थिति को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी दी है।

आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं? उन सभी का मूल्यांकन कीजिए और चयन करने का कारण स्पष्ट करते हुए सर्वोत्तम विकल्प सुझाइए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त परिस्थिति में निम्न विकल्प बनते हैं—

(क) आदिवासी व विरोधी आंदोलनकारियों को बलपूर्वक दमित कर योजना का क्रियान्वयन किया जाए।

(ख) विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए सभी परियोजनाओं को तत्काल प्रभाव से बंद करने की सिफारिश की जाए।

(ग) जिन परियोजनाओं का पारिस्थितिकी व नृजातीय प्रभाव पड़ रहा है, उनकी EIA रिपोर्ट प्रभावी रूप से तैयार कर पुनर्विचार हेतु ऊपरी अधिकारी वर्ग को प्रेषित की जाए, तथा शेष परियोजनाओं को मंजूरी दी जाए।

पहला विकल्प सामाजिक न्याय की अवधारणा के साथ-साथ संवैधानिक उत्तरदायित्वों से भी विचलन दर्शाता है, जो पूर्णतः अनुचित है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दूसरा विकल्प विकास की आवश्यकता से आँख मूँदने के समान है, साथ ही प्रशासकीय अकर्मण्यता को भी दर्शाता है।

तीसरा विकल्प जहाँ एक ओर पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन द्वारा योजना के वास्तविक मूल्यांकन को संभव बनाएगा, वहीं विकास की आवश्यकता से भी कदमताल करता है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त समाधा गाइडलाइंस (पहले पुनर्विकास फिर विकास) की अवधारणा से भी यह विकल्प मेल खाता है, अतः सर्वाधिक उपयुक्त है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You recently joined the civil administration as a young District Commissioner. As a part of fulfilling their electoral promise, the new government in the state announced total prohibition on production, sale and purchase of liquor. This has not only led to smuggling of liquor from neighbouring states but also production of illicit liquor in the state, known as hooch. Women of the area decide to go on a protest against the recent hooch tragedy wherein several people lost their lives owing to consumption of illicit liquor. The political authorities scapegoat you for mismanagement.

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What are the various options available to you. Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving reasons for it. 20

आप हाल ही में एक युवा जिला आयुक्त के रूप में नागरिक प्रशासन में सम्मिलित हुए हैं। अपने चुनावी वादे को पूरा करने के संदर्भ में, राज्य में नई सरकार ने शराब के उत्पादन और खरीद-बिक्री पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा की है। इसके परिणाम स्वरूप न केवल पड़ोसी राज्य से शराब की तस्करी बल्कि राज्य में 'हूच' नाम से प्रसिद्ध अवैध शराब का उत्पादन भी आरंभ हो गया है। आपके जिले की महिलाओं ने हाल ही की एक हूच त्रासदी के विरुद्ध विरोध-प्रदर्शन करने का निश्चय किया है,जिसमें कई लोगों ने अवैध शराब के सेवन के कारण अपनी जाने गवाईं थी। राजनीतिक प्राधिकारियों ने उक्त कुप्रबंधन के लिए आपको बलि का बकरा बनाया है।

(a) इस मामले में सम्मिलित मुद्दे क्या हैं?

(b) आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं? उन सभी का मूल्यांकन कीजिए और चयन करने का कारण स्पष्ट करते हुए सर्वोत्तम विकल्प सुझाइए।

(a). उपर्युक्त परिस्थिति में सम्मिलित मुद्दों में-

1). अवैध तस्करी की रोकथाम में असफल प्रशासनिक व्यवस्था

2). अवैध शराब के उत्पादन व प्रसार को रोकने में असफल प्रशासन

3). शराब की सामाजिक प्रभावशीलता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b). उपर्युक्त परिस्थिति में उपलब्ध संभावित विकल्प—

(1). यथास्थिति कायम रखते हुए, महिला आंदोलन को मीडियावर्ग से दूर रखा जाए,

(2). अवैध शराब के ठिकानों की तीव्र कार्यवाहियों द्वारा शराब को पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाए,

(3). अवैध शराब के उत्पादन को रोककर स्वास्थ्य सुविधाओं की मजबूती, नशामुक्ति सम्मेलन जैसे प्रावधान, किये जाए, तथा तस्करी पर कठोर कार्यवाही।

प्रथम विकल्प यद्यपि मेरी व्यक्तिगत आलोचना को रोक देगा किंतु यह वास्तविक रूप में प्रशासनिक अकर्मण्यता, भ्रष्टाचरण है व प्रशासक के दायित्वों के एकदम प्रतिकूल है।

द्वितीय विकल्प अवैध शराब के कारण होने वाली मृत्यु को तो रोक देगा, किंतु किसी कार्यक्रम की सफलता कठोर दमन के कारण सामाजिक

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वीकृति प्राप्त नहीं कर पाएगी।

तृतीय विकल्प जहाँ अवैध शराब व शराब तस्करी पर रोक लगाता है, वहीं जागरूकता कार्यक्रमों के द्वारा कार्यक्रम की सामाजिक स्वीकार्यता को भी बढ़ाता है, महिलाओं के 'ड्रन्क' आंदोलन को भी इन जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़कर सकारात्मक दिशा में मोड़ा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are a doctoral student at a large university in the final months of your research on a potentially revolutionary technology. Meanwhile, you have also applied for post-doctoral research cum teaching positions at various universities. To your pleasant surprise, you get an interview call from your undergraduate alma mater, a prestigious research institution in a city where you would love to live.

In the interview, the department chair asks for detailed information about your research.

Your group is working on a patent application and its members have agreed not to provide details until a paper currently being prepared is submitted for publication. You explain the situation and tell them that you would be glad to send them an early preprint when it is available.

But the Chair pushes harder for this information, remarking that the Department seeks team players, willing to share information with department colleagues. She also appeals to your undergraduate connection with the institution.

(a) Enumerate the ethical issues involved in the case in light of your current responsibilities vis-a-vis future expectations.

(b) Discuss the possible motivations of the department chair in pressing you for detailed information.

(c) What stand will you take in such a situation? Give reasonable justification for your arguments. 20

आप एक प्रख्यात विश्वविद्यालय में किसी संभाव्य क्रांतिकारी प्रौद्योगिकी पर शोध कर रहे हैं और शोध पूरा होने में कुछ ही महीने शेष बचे हैं। इसी बीच, आपने विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध सह-अध्यापन पदों के लिए भी आवेदन किया है। आपको एक सुखद व आश्चर्यजनक समाचार प्राप्त होता है कि आपको स्नातक स्तर की उस संस्था से साक्षात्कार के लिए बुलावा प्राप्त हुआ है, जहाँ से आपने शिक्षा प्राप्त की है जो एक ऐसे नगर में स्थापित प्रतिष्ठित संस्थान है जहां रहना आप पसंद करेंगे।

साक्षात्कार में विभागीय अधिकारी आपके शोध के संबंध में विस्तृत सूचना मांगती हैं।

आपका समूह एक पेटेंट आवेदन पर कार्य कर रहा है और इसके सदस्य इस हेतु सहमत हुए हैं कि जब तक वर्तमान में तैयार किया जा रहा शोध पत्र प्रकाशन के लिए जमा न कर दिया जाए, तब तक कोई विवरण किसी अन्य को प्रदान नहीं किया जाए। आप परिस्थिति समझाते हैं और उन्हें कहते हैं कि जब शोध पत्र उपलब्ध हो जाएगा तो आपको उनके लिए उक्त शोध पत्र का नमूना भेजने में प्रसन्नता होगी।

किंतु विभागीय अधिकारी इस सूचना के लिए अत्यधिक दबाव देती हैं। वह यह स्पष्ट करती हैं कि विभाग ऐसे लोगों की नियुक्ति चाहता है जो टीम के रूप में साथ मिलकर काम कर सकें और विभागीय सहयोगियों के साथ सूचना साझा कर सकें। वह संस्था के साथ आपके स्नातक स्तरीय संपर्कों का भी वास्ता देती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों और भविष्य की अपेक्षाओं को सामने रखते हुए इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपसे विस्तृत जानकारी हेतु दबाव डालने के संबंध में विभागीय अधिकारी के संभावित उत्प्रेरणाओं पर चर्चा कीजिए।

(c) ऐसी स्थिति में आप क्या निर्णय लेंगे? अपने तर्क को औचित्यपूर्ण सिद्ध कीजिए।

(a). उपर्युक्त परिस्थिति में निम्न नैतिक मुद्दों की पहचान की जा सकती है —

1). वर्तमान टीम के शोध का विवरण दूसरी संस्था को देना — सत्यनिष्ठा से विचलन को दर्शाता है,

2). भविष्य के समूह के मन में विश्वास जगाना,

(b). विभागीय अधिकारी द्वारा दबाव डालने के संभावित उत्प्रेरण—

(i) पेटेंट रहित शोध की जानकारियाँ प्राप्त कर व्यक्तिगत लाभ कमाना/

(ii) भावी टीम सदस्य की उसके वर्तमान टीम के प्रति ~~म~~

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सत्यनिष्ठा की जाँच।

(iii) संभवतः वह जाँचना चाहते हों कि मैं नए पद के लिए कितनी समर्पित इच्छा रखता हूँ।

(C) इस स्थिति में मेरा निर्णय निम्न बिंदुओं के तहत होगा –

(i) चूँकि नई नियुक्ति मेरी इच्छा के अनुरूप है, अतः हर संभव बल द्वारा मैं उसे पाने का प्रयत्न करूँगा।

(ii) चूँकि मैं अपनी वर्तमान टीम के प्रति समर्पित हूँ अतः पेटेंट होने तक किसी भी शर्त में उसकी जानकारियाँ सार्वजनिक नहीं करूँगा।

(iii) चूँकि पेटेंट प्राप्ति में कुछ ही माह शेष हैं, अतः नए नियोक्ता को इस समय तक शोध की आउटलाइन (गोपनीय सूचना रहित)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत कर आश्वस्त करने का प्रयत्न करूँगा।

(iv) उपर्युक्त कदम मेरी सत्यनिष्ठा के साथ, नए नियोक्ता के प्रति मेरी तीव्र इच्छा का संतुलन स्थापित कर पाने में सक्षम होंगे।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You have recently been appointed as the District Collector of an impoverished district, which has been witnessing drought for the last couple of years. Corruption at lower levels of bureaucracy has further aggavated the situation. The district also faces the problem of diminishing resources of drinking water. Despite, the gravity of the problem, the response from the central and the state government is lackadaisical. Moreover, the media coverage of the problem is also dismal. To make matters worse, the younger members of the community are migrating in search of work to the urban areas without much success, leaving the elders, women, and children behind to fend for themselves.

(a) As the District Collector what would be your priorities for solving the problem?

(b) How would you tackle the situation?

(c) What long term measures would you take to prevent the future recurrence of the problem? 20

आपको हाल ही में एक अत्यंत पिछड़े जिले के जिला कलेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। उक्त जिला पिछले कुछ वर्षों से सूखे की चपेट में रहा है। नौकरशाही के निचले स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने परिस्थिति को और गंभीर बना दिया है। यह जिला, पेयजल स्रोतों के गिरते जल स्तर की समस्याओं का सामना भी कर रहा है। परिस्थिति की गंभीरता के बावजूद भी, केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिक्रिया चिंतनीय है। इसके अतिरिक्त, उक्त समस्या की मीडिया कवरेज भी निराशाजनक है। स्थानीय समुदाय के नौजवान सदस्य बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को अपने भरण-पोषण की व्यवस्था स्वयं करने हेतु छोड़कर काम की खोज में शहरी क्षेत्रों, की ओर पलायन कर रहे हैं,जहां उन्हें अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है ।इससे यह स्थिति और बदतर होती जा रही है।

(a) जिला कलेक्टर के रूप में उक्त समस्या के समाधान के लिए आपकी प्राथमिकताएँ क्या होंगी?

(b) आप इस स्थिति से कैसे निपटेंगे?

(c) इस समस्या की भावी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आप कौन-से दीर्घावधिक उपाय अपनाएंगे?

(a). उपर्युक्त परिस्थिति में मेरी प्राथमिकताएँ निम्नवत होंगी—

(i) सर्वप्रथम सभी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

(ii) युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में सहायता, ताकि वो परिवार पालन-पोषण हेतु आत्मनिर्भर बन सकें।

(iii) मीडिया के साथ सरकार को स्थितिजन्य गंभीरता से अवगत कराकर विकास हेतु धन-संकेंद्रण।

(b) इस स्थिति से निपटने के लिए

(i) सर्वप्रथम राष्ट्रीय भूख राहत कार्यक्रम, खाद्य सुरक्षा योजना आदि द्वारा खाद्य सुरक्षा / आपूर्ति को सुनिश्चित किया करेंगा,

(ii) मीडिया द्वारा सूचना प्रसार व NGO की मदद से सहायता राशि, अन्य मदद का संकेंद्रण।

(iii) सरकार को स्थिति की गंभीरता से अवगत करवाकर सांसद/विधायक निधि द्वारा विकास कार्य,

(iv) युवाओं के मनरेगा आदि जैसा स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(C) दीर्घकालिक रणनीति

(I) सूक्ष्म सिंचाई तकनीक को बढ़ावा

(II) रोजगार के अवसरों के स्थानीय स्तर पर सृजन हेतु कौशल विकास सेंटर आदि स्थापना।

(III) सूखे प्रभावित होने के कारण कृषि की अपेक्षा अन्य औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. In a district, in which you are posted as a District Magistrate, a teacher molests a child in a government run school. As the news of this crime spreads, the parents, relatives and locals gather at the school. The culprit teacher has meanwhile fled. The police arrests the Principal of the school and assure the crowd that the culprit would be arrested soon. The crowd, however, has gone berserk and begins to damage the school building. It wants immediate arrest of the culprit and is not ready to budge until he is arrested.

(a) Is it correct to take the Principal into custody when he has personally not committed the crime? Support your answer with appropriate reasons.

(b) What options do you have in dealing with the crowd? Enumerate the merits and demerits of each and also suggest the best possible option.

(c) In the capacity of District Magistrate what would be your long term plan to prevent molestations and rapes in the schools? 20

एक जिले में जहां आप एक जिलाधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं, वहां के एक सरकारी विद्यालय का एक शिक्षक एक बच्चे से छेड़छाड़ करता है। जब इस अपराध की खबर फैलती है तो उस बच्चे के माता-पिता, सगे-संबंधी और स्थानीय लोग विद्यालय के पास एकत्रित हो जाते हैं। इसी बीच आरोपी शिक्षक फ़रार हो जाता है। पुलिस उस विद्यालय के प्राचार्य को गिरफ्तार कर लेती है और भीड़ को यह आश्वासन देती है कि आरोपी को शीघ्र हीं गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तथापि भीड़ अनियंत्रित हो जाती है और विद्यालय भवन को क्षतिग्रस्त करना आरंभ कर देती है। उक्त भीड़ आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी चाहती है और जब तक उसे गिरफ्तार नहीं कर लिया जाता, तब तक वे वहाँ से हिलने के लिए तैयार नहीं है।

(a) क्या प्राचार्य को हिरासत में लेना सही है, जबकि उसने व्यक्तिगत रूप से अपराध नहीं किया है? उपयुक्त कारणों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

(b) आपके पास भीड़ से निपटने के कौन से विकल्प हैं? प्रत्येक के गुणों व दोषों की गणना कीजिए और सर्वोत्तम संभावित विकल्प सुझाइए।

(c) एक जिलाधिकारी के रूप में विद्यालयों में छेड़छाड़ और बलात्कार की घटना को रोकने के लिए आपकी दीर्घकालिक योजना क्या होगी?

(a). चूँकि भीड़ के अनियंत्रित होने को प्राचार्य का गिरफ्तार होना रोक नहीं पाया, साथ ही प्राचार्य स्वयं व्यक्तिगत रूप से दोषी नहीं है, अतः प्राचार्य को गिरफ्तार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किया जाना प्रभावी विकल्प नहीं था।

(b). भीड़ को नियंत्रित करने के लिए

(i) बल प्रयोग

(ii) समस्त स्कूल प्रशासन की पर कार्यवाही

(iii) मामले की जाँच के लिए कमेटी का गठन किया जाए, जिसमें प्रशासन के अलावा दोनों पक्षों के सदस्य शामिल हों।

इनमें प्रथम विकल्प प्रशासन की उस स्थिति में ही मान्य होगा, जब अन्य सभी विकल्प असफल हो गए हों।

दूसरा विकल्प न्याय की मूलभूत अवधारणाओं के विपरीत होने के कारण अनुचित है।

तीसरा विकल्प तात्कालिक परिस्थिति के अनुरूप सर्वाधिक उचित है जो भीड़ की उग्रता को शांत करने के साथ-साथ मामले की जाँच में भी सहायक होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) दीर्घकालिक योजना -

(i) POCSO अधिनियम के संबंधित प्रावधानों को विद्यालयों में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाए।

(ii) सभी छात्र-छात्राओं को 'संवेदनशील व्यवहार' के प्रति जागरूक किया जाए।

(iii) अपराधी पर सख्त कार्यवाही द्वारा कड़े उदाहरण प्रस्तुत किये जाएँ।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)